



Hargharpanditji



॥ नवरात्रि में घटस्थापना का महत्व ॥
जय माता दी!

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ नवरात्रि में घटस्थापना का महत्व ॥

घटस्थापना, जिसे कलश स्थापना भी कहा जाता है, नवरात्रि के प्रारंभ में किया जाने वाला प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान है। इसे मां दुर्गा के आवाहन, शुभता और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि के प्रथम दिन विधिपूर्वक कलश स्थापित करके नौ दिनों तक देवी की पूजा और साधना की जाती है।

घटस्थापना का धार्मिक महत्व

देवी शक्ति का आवाहन

कलश स्थापना के माध्यम से मां दुर्गा और देवी शक्ति का आवाहन करने की परंपरा है। भक्त कलश को श्रद्धा और पवित्रता के साथ स्थापित करते हैं।

समृद्धि और मंगल का प्रतीक

कलश को हिंदू पूजा परंपरा में पूर्णता, शुभता, समृद्धि और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

सृष्टि और जीवन का प्रतीक

कलश में भरा जल जीवन और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसके ऊपर रखा नारियल और पत्ते प्रकृति, उर्वरता और जीवन की निरंतरता का भाव दर्शाते हैं।

नवरात्रि साधना की शुरुआत

घटस्थापना के साथ नवरात्रि की पूजा औपचारिक रूप से शुरू होती है। इसके बाद नौ दिनों तक नवदुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना की जाती है।

सकारात्मक ऊर्जा और पवित्रता

श्रद्धालु मानते हैं कि विधिपूर्वक पूजा और कलश स्थापना से घर का वातावरण आध्यात्मिक एवं सकारात्मक बनता है।

घटस्थापना में रखी जाने वाली प्रमुख सामग्री

परंपरा के अनुसार कलश स्थापना में सामान्यतः:

मिट्टी का पात्र या चौकी

स्वच्छ जल

कलश

आम या अशोक के पत्ते

नारियल

अक्षत

सुपारी

सिक्का

मौली/कलावा

जौ

रोली एवं पुष्प

का प्रयोग किया जाता है। सामग्री और विधि क्षेत्रीय परंपरा के अनुसार
अलग हो सकती है।

जौ बोने का महत्व

नवरात्रि में कलश स्थापना के साथ जौ बोने की परंपरा भी है। जौ को वृद्धि, समृद्धि और उर्वरता का प्रतीक माना जाता है। नौ दिनों में जौ का अंकुरित होना प्रकृति और जीवन की ऊर्जा का सुंदर प्रतीक माना जाता है।

घटस्थापना का आध्यात्मिक अर्थ

घटस्थापना हमें यह संदेश देती है कि ईश्वर की शक्ति हमारे बाहर ही नहीं, बल्कि हमारे भीतर भी विद्यमान है। कलश का जल जीवन का, नारियल चेतना का और जौ विकास का प्रतीक माना जा सकता है।